लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 16-31 अगस्त 2021 www.haryanasamvad.gov.in अंक-24

"लिखते तो वह लोग है जिनके अंदर दर्द, अनुराग, लगन या विचार हैं। जिन्होंने धन व भोग विलास को जीवन का लक्ष्य बना लिया हो वह क्या लिखेंगे।

: मुंशी प्रेमचंद

विजेताओं का सम्मान

2

टोक्यो आलंपिक में छाया रहा 'म्हारा देस हरियाणा'

4

उचित दाम युवाओं को काम

6

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि

आज़ादी के 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में 'अमृत महोत्सव' का शुभारम्भ हो गया। गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराने वाले देश के वीर शहीदों व महान स्वतंत्रता सेनानियों को इस मौके पर नमन किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों में देश की आन बान शान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुग्राम में तथा मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद में ध्वजारोहण किया। इनके अलावा, विभिन्न मंत्री व अधिकारियों ने भी प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इससे पहले जिलास्तरीय युद्ध स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रदेश के लोगों को आजादी की 75वीं वर्षगांठ की बधाई दी और कहा कि आज राष्ट्र आजादी का अमृत उत्सव मना रहा है । यह दिन हमारे आत्म सम्मान व स्वाभिमान से जुड़ गया है।

विकास नीतियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारी सरकार ने देश व प्रदेश की जनता के समावेशी विकास पर विशेष बल दिया है। इसके अन्तर्गत सस्ते रिहायशी मकानों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, रोजगार एवं आर्थिक स्वतंत्रता के लिए कौशल विकास एवं मुद्रा लोन तथा आधुनिक भारत के नवनिर्माण हेतु स्टार्ट-अप तथा डिजिटल इंडिया सहित अनेक अभूतपूर्व योजनाएं शुरू की हैं।

आत्मनिर्भरता का संकल्प

माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुग्राम के सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर आज़ादी आंदोलन तथा बाद में सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी जाने-अनजाने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी आजादी के अमृत महोत्सव को इस वर्ष और ज़्यादा हर्ष व उल्लास से मनाएं ताकि हर देशवासी के मन में और अधिक राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत हो। राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा ने प्रगति के हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर राज्य सरकार ने हरियाणा को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है और इस दिशा में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

सस्ती दरों पर बिजली

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज पर्याप्त बिजली उपलब्ध है, कृषि गतिविधियों को आर्थिक रूप से लाभप्रद बनाने के लिए किसानों को सस्ती दरों पर बिजली दी जा रही है। 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना के तहत 5,309 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। यही नहीं, राज्य सरकार ने बिजली की दर 37 पैसे प्रति यूनिट कम करके ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

उद्यम एवं रोजगार नीति लागू

वर्तमान में प्रदेश प्रति व्यक्ति आय, औद्योगिक उत्पादन, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्रीज, विदेशी निवेश आकर्षित करने, शिक्षा, खेल, सेना, कृषि, परिवहन, पशुधन आदि क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य है। हरियाणा को विभिन्न उत्पादों में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एमएसएमई अर्थात सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए नए विभाग का सृजन किया गया है। उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश को आकर्षित करने के लिए हरियाणा उद्यम एवं रोज़गार नीति लागू की गई है। इस नीति के तहत पांच लाख नई नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

डायल 112 सेवा शुरू

प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि साइबर अपराधों से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए गुरुग्राम में देश का पहला ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किया गया है। यहीं नहीं, किसी भी संकट या आपातकालीन स्थिति में मदद के लिए डायल 112 सेवा शुरू की गई है जिसके सार्थक परिणाम आ रहे हैं। प्रदेश में 'ई गवर्नेंस से गुड गवर्नेंस' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सरकारी कार्यों में पारदर्शिता आई है।

सरकार के प्रयास

- सरकार वर्ष 2021 को सुशासन परिणाम वर्ष के रूप में मना रही है। इसके तहत राज्य में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए ठोस रणनीति बनाई है।
- महिलाओं, बुजुर्गों तथा जरूरतमंद लोगों की त्वरित सहायता के लिए डॉयल 112 सेवा शुरू की गई है। इस पर सहायता मांगने पर मेडिकल सुविधाओं सहित पुलिस, मात्र 15 से 20 मिनट में शिकायतकर्ता के पास पहुंच रही है।
- प्रदेश के युवाओं को धोखाधड़ी से विदेश में भेजने वाले कबूतरबाजों पर शिकंजा कसने के लिए एसआईटी तथा नशामुक्त हरियाणा बनाने के लिए 'नार्कोटिक्स ब्यूरो' का गठन किया है।
- सरकार का वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति को पूर्णतः राज्य में लागू करने का लक्ष्य है। इसके तहत पहली से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा, सरकारी स्कूलों को स्मार्ट क्लास रूम व आधुनिक ड्यूल डेस्क, सौर पैनल सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
- प्रदेश में उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए 113 नये संस्कृति मॉडल स्कूल, नए सरकारी कॉलेज खोले गए हैं तथा बच्चों के लिए 4 हजार प्ले-वे स्कूल खोले जा रहे हैं।
- कोरोना से अनाथ हुए बच्चों के पुनर्वास के लिए 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के तहत 2,500 रुपए मासिक सहायता दी जा रही है।
- सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए लोगों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए 'परिवार पहचान पत्र' बनाए जा रहे हैं।
- सरकार ने हिंदी सत्याग्रहियों तथा पत्रकारों की पेंशन शुरू की है तथा वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता तथा दिव्यांग, बौना, किन्नर, विधवा पेंशन को बढ़ाकर 2,500 रुपए मासिक किया गया है।
- कर्मचारी चयन आयोग ने सरकारी नौकरियों हेतु वन-टाइम पंजीकरण योजना शुरू की है। सरकार ने अपने कार्यकाल में अभी तक पारदर्शी तरीके से एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं।
- करीब 1.35 हजार युवाओं को सक्षम योजना के तहत काम दिया है, जिन पर करीब 1,437 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।
- हिसार हवाई अड्डे का नाम बदलकर महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा करने की स्वीकृति प्रदान की है।
- प्रदेश के गांवों को स्मार्ट बनाने के लिए 'हरियाणा स्मार्ट ग्राम प्राधिकरण' का गठन किया गया है।
- 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना के तहत समय पर बिजली बिल भरने वाले प्रदेश के 5,309 गांवों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।
- 'पीएम-कुसुम योजना' के तहत किसानों को 3 एचपी से 10 एचपी क्षमता के स्टैंडअलोन सोलर कृषि पम्प लगाने पर 75 प्रतिशत सब्सिडी देने की व्यवस्था की है।
- राज्य में योग को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा योग आयोग का गठन किया है तथा प्रदेश के 600 गांवों में योग एवं व्यायामशालाएं खोली हैं।
- राज्य में पहली बार 'खेलो इंडिया- यूथ गेम्स' व विन्टर खेलों का आयोजन किया जा रहा है।
- पंचकुला के शिवालिक क्षेत्र को पर्यटन हब के तौर पर विकसित किया जा रहा है।
- सरकार ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए अधिकतर सरकारी योजनाओं को ऑनलाइन किया है।

संपादकीय

'अमृत महोत्सव' पर अभिनंदन

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' पूरे देश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। इस अवसर पर हम सभी क्षेत्रों में उन सभी विभूतियों को याद करेंगे, जिनकी कुर्बानियों की वजह से हमें स्वाधीनता का अनुपम उपहार मिला।

स्वाधीनता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश भर में यह अमृत-महोत्सव' मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर हम स्वाधीनता सेनानियों की अमर गाथाओं को नमन् करने के साथ-साथ उन महान कलमकारों, कवियों, कलाकारों व विद्वानों को भी नमन् करना चाहिए जिन्होंने अपनी कलम, कूची, कला व संस्कृति के माध्यम से नया भारत रचा। देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले किसानों का योगदान भी अविस्मरणीय है।

इस अवसर पर विभाजन की विभीषिका की याद भी स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 14 अगस्त को 'विस्थापन-दिवस' के रूप में मनाने का संकल्प लिया हैऔर इस दिन विभाजन और विस्थापन के पीड़ादायक लम्हों को भी याद किया। उन्होंने इस बात का भी विशेष उल्लेख किया कि कुछ नेताओं की अदूरदर्शिता के कारण भयावह स्थितियां पैदा हुईं। न केवल देश बंटा बल्कि करोड़ों भारतीयों को अपने घरों से बेघर होकर नए सिरे से नई जगहों पर विस्थापित होना पड़ा। मृतकों की संख्या यद्यपि अब तक अंतिम रूप में नहीं हो पाई लेकिन निश्चित रूप में संख्या लाखों में थी और अनुमान दस लाख से बीस लाख के बीच है।

लेकिन उजड़े हुए लोगों ने जिजीविषा व अदम्य पुरुषार्थ दिखाते हुए अपने परिवारों को पुनः स्थापित किया और पूरे भारतीय भूखण्ड के लोगों ने उन्हें हर प्रकार का सहयोग किया।

अब हम एक हैं और आने वाले स्वर्णिम कल के सपने देख रहे हैं। यह वर्ष नए संकल्प लेने व पूर्व घोषित संकल्पों की पूर्ति के लिए जूझने का वर्ष है। सभी पाठकों एवं लेखकों, पत्रकारों व मनीषियों का अभिनंदन।

जब भी हम, 'सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है' व 'मेरा रंग दे बसंती चोला' गीत गुनगुनाते हैं तो हम सबकी स्मृतियों में रामप्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और उन सभी अमर शहीदों के चित्र कौंध जाते हैं, जिन्होंने हमारे देश की स्वाधीनता के लिए पूर्ण आस्था व समर्पण भाव में जीवन न्योछावर कर दिए थे।

इन्हीं राष्ट्रनायकों के बलिदानों की बदौलत आज हम स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपनी आज़ादी का 75 वां वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं।

- डा चंद्र त्रिखा

मेक इन इंडिया की तर्ज़ पर मेक इन हरियाणा

प्रदेश के 'एमएसएमई' के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध करवाने के लिए 'वॉलमार्ट वृद्धि' तथा 'हकदर्शक' कंपनी के साथ हरियाणा सरकार का एमओयू हुआ है। सरकार की ओर से एमएसएमई विभाग के महानिदेशक विकास गुप्ता तथा 'वॉलमार्ट वृद्धि' की ओर से नितिन दत्त तथा 'हकदर्शक' की ओर से सीईओ अनिकेत डॉयगर ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

सरकार प्रदेश में अधिक से अधिक उद्योग लगाना चाहती है ताकि युवाओं को रोजगार हासिल हों। बड़े उद्योगों के अलावा एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए 'हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020' में निवेशकों के लिए कई महत्वपूर्ण रियायतें दी गई हैं। राज्य सरकार जहां केंद्र सरकार की 'मेक-इन-इंडिया' नीति को अपना रही है वहीं 'मेक-इन-हरियाणा' नीति को भी तवज्जो दे रही है ताकि हरियाणा निवेश-गंतव्य बन सके।

विकास गुप्ता ने बताया कि 'वॉलमार्ट' के साथ एमओयू साइन होने के बाद प्रदेश के एमएसएमई के उत्पाद जहां 24 देशों में प्रदर्शित होंगे वहीं 48 बैनर्स के नीचे 10,500 स्टोर्स में उपलब्ध हो सकेंगे। एमएसएमई को जरूरत के अनुसार उद्योग-विशेषज्ञों से प्रशिक्षण भी दिलवाया जाएगा।

'हकदर्शक' कंपनी के साथ एमओयू साइन होने पर प्रदेश के एमएसएमई को सरकार व निजी कल्याण की सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। इस कंपनी की देश के 22 राज्यों में 7,000 कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी वैबसाइट पर उपलब्ध है जिससे एमएसएमई को लाभ होगा।

ज्यादा निवेश के आधार पर सब्सिडी

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि सरकार ने प्रदेश में अधिक से अधिक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 'नेट एसजीएसटी के बदले निवेश सब्सिडी' की योजना तैयार की है, इसके तहत एमएसएमई लेकर से अल्ट्रा-मेगा प्रोजेक्टों तक सभी को यह सब्सिडी दी जाएगी। अधिक उद्योग लगने से प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

डिप्टी सीएम, जिनके पास उद्योग एवं वाणिज्य विभाग का प्रभार भी है, ने बताया कि राज्य सरकार ने जो 'हरियाणा इंटरप्राइजिज एंड एंप्लाइमेंट पॉलिसी, 2020' का निर्माण किया है, उसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश को एक प्रमुख निवेश-गंतव्य के रूप में स्थापित करना और ऊर्जायुक्त शासन प्रणाली द्वारा संतुलित क्षेत्रीय और सतत विकास की सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने यह महसूस किया कि प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उनको बुनियादी ढांचे को खड़ा करने में सहयोग देने और बेहतर 'इज ऑफ डूइंग' प्रणाली के साथ-साथ 'नेट एसजीएसटी के बदले निवेश सब्सिडी' के रूप में प्रमुख वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने की भी आवश्यकता है। इससे उनके बिजनेस की लागत में कमी आएगी और उद्योग अधिक प्रतिस्पर्धी व टिकाऊ बन सकेंगे।

औद्योगिक विकास के लिए किफ़ायती दामों में ऋण

हरियाणा सरकार ने ग्रामीण औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'बी', 'सी' व 'डी' श्रेणी खण्डों के ग्रामीण क्षेत्रों में नए सूक्ष्म उद्यमों को पूंजीगत सहायता एवं किफ़ायती ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से हरियाणा ग्रामीण औद्योगिक विकास योजना अधिसूचित की है।

योजना के तहत स्थापित नए सूक्ष्म उद्यमों को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति, 2020 के तहत एमएसएमई क्षेत्र के लिए निर्दिष्ट अन्य प्रोत्साहन भी प्राप्त होंगे। योजना के तहत लाभ प्रदान करने के लिए अनुमोदन पत्र 45 दिन, स्वीकृति पत्र सात दिन और लाभ संवितरण सात दिन के भीतर जारी कर दिया जाएगा।

- योजना के तहत 'बी', 'सी' व 'डी' श्रेणी खंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य श्रेणी के उद्यमियों को प्लांट व मशीनरी और भवन पर किए गए निवेश पर 15 प्रतिशत सब्सिडी, अधिकतम 20 लाख रुपए और महिलाओं एवं अनुसूचित जाति के उद्यमियों को प्लांट व मशीनरी और भवन पर किए गए निवेश पर 15 प्रतिशत सब्सिडी, अधिकतम 25 लाख रुपए की पूंजीगत सहायता दी जाएगी।
- डीजल जनरेटर सेट की लागत पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 8,000 रुपए प्रति केवीए निर्धारित की गई है।
- इसके अतिरिक्त, सावधि ऋण पर सात वर्षों के लिए सात प्रतिशत या अधिकतम आठ लाख रुपए प्रति वर्ष की ब्याज सब्सिडी दी जाएगी।
- प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए इस योजना को पहली जनवरी, 2021 से प्रभावी माना जाएगा और पांच वर्षों की अवधि के लिए परिचालन में रहेगी।

तीन माह में शुरू करना होगा वाणिज्यिक उत्पादन

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा यदि उद्यम पूंजीगत सब्सिडी के मामले में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने से तीन मास के भीतर, ब्याज सब्सिडी के मामले में वित्तीय वर्ष, जिसके लिए प्रोत्साहन का दावा किया जा रहा है, की समाप्ति से तीन महीने के भीतर और डीजी सेट सब्सिडी के मामले में डीजी सेट की खरीद की तिथि या योजना की अधिसूचना की तिथि से तीन मास के भीतर, जो भी बाद में हो, अपना दावा प्रस्तुत नहीं करना है तो वह इस योजना के तहत अपने पात्रता लाभों से वंचित रह जाएगा।

कैसे मिलेगा लाभ

- 'बी', 'सी' व 'डी' श्रेणी खंडों में स्थित नए ग्रामीण सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों को सांख्यिकीय उद्देश्य के लिए पोर्टल पर उद्यम पंजीकरण प्रमाणपत्र और हरियाणा उद्यम ज्ञापन दाखिल करना होगा।
- इकाई का नाम राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित प्रतिबंधात्मक सूची में नहीं होना चाहिए और इकाई वाणिज्यिक उत्पादन में होनी चाहिए।
- इसके अतिरिक्त, संवितरण के समय इकाई नियमित उत्पादन में होनी चाहिए और बंद इकाई को सब्सिडी जारी नहीं की जाएगी।
- पूंजीगत सब्सिडी के लिए इकाई वाणिज्यिक उत्पादन की तिथि से पांच वर्षों की अवधि के लिए नियमित उत्पादन में होनी चाहिए और संयुक्त निदेशक या उप निदेशक, जिला एमएसएमई केंद्र इकाई का वार्षिक निरीक्षण करेंगे।
- डीजी सेट खरीद की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए बरकरार और चालू होना चाहिए तथा योजना के शुरू होने की तिथि यानी पहली जनवरी, 2021 को या उसके बाद खरीदा जाना चाहिए।

कैसे करें आवेदन

- लाभ प्राप्त करने के लिए उद्यमों को सूचीबद्ध दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन निदेशक/महानिदेशक, एमएसएमई विभाग को वेब पोर्टल पर उल्लिखित मानदंडों के अनुसार या योजना की अधिसूचना की तारीख से तीन महीने के भीतर, जो भी बाद में हो, प्रस्तुत करना होगा।
- आवेदन पर कार्रवाई और जांच संयुक्त निदेशक/उप निदेशक, जिला एमएसएमई केंद्र द्वारा की जाएगी। वह जांच के लिए जिम्मेदार होगा और इकाई का निरीक्षण करने के बाद दावे के अनुमोदन या अस्वीकृति के लिए स्पष्ट रूप से सिफारिश करेगा।

संवाद ब्यूरो

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग से संबंधित ठेकेदार अब 'हरियाणा इंजीनियरिंग वर्कस पोर्टल' पर अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकेंगे तथा शंकाओं का समाधान भी करवा पाएंगे।

सिरसा शहर की स्ट्रीट लाइट सिस्टम को कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा जिससे एक ही समय में स्ट्रीट लाइट को ऑन व ऑफ किया जा सके। इससे न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि बल्व फ्यूज आदि की समस्या नहीं रहेगी।

कुछ अहम पहल

मुख्यमंत्री मनोहरलाल की अध्यक्षता में हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में कुछ अहम प्रस्ताव पारित हुए हैं जिनके लागू होने पर सुशासन व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।

राज्य सरकार ने वर्ष 2018 के दौरान हरियाणा सिविल सेवा और संबद्ध सेवा परीक्षा में प्रत्यक्ष कोटे के नायब तहसीलदार के पद को शामिल किया है।

एनसीआर मे पुराने वाहन प्रतिबंधित

हरियाणा मोटर वाहन नियम, 1993 के नियम 67-ए में संशोधन को स्वीकृति प्रदान की गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में डीजल और पेट्रोल से चलने वाले ऐसे वाहन, जो क्रमशः 10 वर्ष और 15 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हैं, का संचालन प्रतिबंधित कर दिया गया है।इलेक्ट्रिक वाहनों, एलएनजी, सीएनजी आदि जैसी स्वच्छ ईंधन प्रौद्योगिकियों की शुरूआत के साथ ऐसे वाहनों के संचालन की आयु बढ़ाने के लिए नियमों में संशोधन करने की आवश्यकता महसूस की गई ताकि ऐसे वाहनों को तेजी से अपनाने को बढ़ावा दिया जा सके।

गेस्ट टीचर भी ट्रांसफर पोलिसी में शामिल

गेस्ट टीचरों को भी ट्रांसफर पोलिसी में शामिल करने का निर्णय लिया है। पहले नियमित अध्यापकों की ट्रांसफर ड्राईव चलेगी, उसके बाद गेस्ट टीचर ट्रांसफर ड्राईव के दूसरे चरण में शामिल हो सकेंगे। गेस्ट टीचर काफी समय से स्वयं को ट्रांसफर पोलिसी में शामिल करने की मांग कर रहे थे।

रेंटल हाउसिंग स्कीम को मंजूरी

रेंटल हाउसिंग स्कीम को मंजूरी दी गई है। अब पेइंग गेस्ट यानी पीजी होम चलाने वालों को सुविधा होगी। इस नीति के तहत कामकाजी महिलाओं के होस्टल और वृद्धजनों के लिए आवास चलाने वालों को भी आसानी होगी।

हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर

हिसार के हवाई अड्डे का नाम ''महाराजा अग्रसेन एयर पोर्ट हिसार'' रखने के निर्णय पर मंत्रिमण्डल ने मुहर लगाई। उन्होंने बताया कि हिसार एयरपोर्ट पर हवाई पट्टी को 4 हजार से बढ़ाकर 10 हजार फीट करने का काम चल रहा है।

हरियाणा कौशल रोजगार निगम करेगा भर्ती

हरियाणा कौशल रोजगार निगम के गठन को मंजूरी दी। अब आगे से आउटसोर्सिंग पर की जाने वाली सारी भर्तियां इस निगम के माध्यम से होंगी। इसके पोर्टल पर कौशल प्रशिक्षण युक्त, बेरोजगार अपने नाम दर्ज करवा सकेंगे।

बीपीएल कार्ड 82 हजार बनेंगे, 75 हजार कटेंगे

परिवार पहचान पत्र योजना के आय सत्यापन सर्वे में 82 हजार ऐसे परिवारों की पहचान हुई है जिनकी आमदनी सालाना 1.80 लाख रुपए से कम है। इन सभी के बीपीएल कार्ड बनाए जाएंगे। सर्वे के दौरान 75 हजार ऐसे परिवारों की पहचान हुई है जिनकी आमदनी 1.80 लाख रुपए से अधिक है और वे बीपीएल परिवारों के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। ऐसे परिवारों का नाम बीपीएल सूची से काटा जाएगा।

सीएम ने की आटो की सवारी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में आटो की सवारी की। वे बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के ई रिक्शा में बैठे और राजीव चौक तक पहुंचे। इस दौरान पुलिस की गाड़ियों को उनके पीछे-पीछे चलना पड़ा। मुख्यमंत्री आटो से उतरे और आटो चालक को किराया देकर चल पड़े।

किराया मिलने के बाद आटो चालक ने खुशी व्यक्त की और कहा कि वे इस किराये को कभी खर्च नहीं करेंगे, अपने पास रखेंगे।

दरअसल राज्य सरकार की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए 'परिवर्तन' योजना शुरू की गई है। योजना के तहत प्रदेश में ई रिक्शा शुरू की गई हैं। इसकी शुरूआत गुरुग्राम से हुई है। प्रथम चरण में 600 डीजल चालित थ्री व्हीलरों का स्थान ई-थ्री व्हीलर लेंगे। गुरुग्राम के पर्यावरण संरक्षण के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद कारगर साबित होने की उम्मीद है।

विजेताओं का सम्मान

टोक्यो ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन कर देश प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को हरियाणा सरकार की ओर से सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, राज्य सरकार में अन्य मंत्रीगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थित में यह सम्मान समारोह पंचकूला में आयोजित हुआ।

श्री दत्तात्रेय ने राज्य के 32 खिलाड़ियों को 23 करोड़ रुपए के चैक और जॉब ऑफर लेटर देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक-2020 में हरियाणा के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश व हरियाणा प्रदेश का नाम वैश्विक मानचित्र पर प्रदर्शित हुआ है।

25 फीसदी भागीदारी हरियाणा से

राज्यपाल ने कहा कि देश की आबादी का महज दो फीसदी होने के बावजूद ओलंपिक खेलों में करीब 25 फीसदी भागीदारी हरियाणा से है, जो गर्व की बात है। इतना ही नहीं, इस बार सात पदक विजेताओं में हरियाणा के खाते में चार यानि तीन व्यक्तिगत पदक और दो हॉकी में हैं। राज्यपाल ने प्रदेश के युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे अवश्य बढ़ें। उन्हें गर्व है कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने पदक विजेताओं को अधिकतम नकद पुरस्कार दिया है। हरियाणा की खेल नीति की देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है।

भारत को स्वर्ण पदक दिलाकर भारत को राष्ट्रगान का क्षण दिलाने के लिए नीरज चोपड़ा की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम इतिहास रचा है। उनकी सफलता की कहानी वर्षों तक युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

इसी प्रकार, पहलवान रवि दहिया और बजरंग पुनिया ने रजत और कांस्य जीतकर भारत का झंडा विदेशों में फहराया है। हरियाणा के दो खिलाड़ी सुरेंद्र कुमार और सुमित कुमार ने भी हॉकी में कांस्य पदक जीतकर राज्य और देश को गौरवान्वित किया है। इन खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत के कारण ही भारत इस बार सात पदक जीतकर दुनिया में 48वें स्थान पर है। यह 121 वर्षों में शानदार प्रदर्शन रहा है।

पांच स्पोर्टस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खुलेंगे

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने घोषणा की कि हरियाणा को स्पोर्ट्स हब बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं और इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में खेलों में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण व सुविधाएं देने के लिए पांच स्पोर्टस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे। इनमें प्रतिभावान खिलाड़ियों को मुफ्त कोचिंग प्रदान की जाएगी। ये सेंटर बॉक्सिंग, हॉकी, निशानेबाजी, कुश्ती और एथलेटिक्स में खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने ओलंपिक एवं पैरालेपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करते ही खिलाड़ी को तैयारी के लिए पांच लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि एडवांस देने का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि इतिहास की बात करें तो पिछले एशियाई खेलों में पदक तालिका में हरियाणा का योगदान 33 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रमंडल पदक तालिका में 40 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि पंचकूला, गुरुग्राम, जींद, भिवानी, सिरसा व यमुनानगर जिलों में आवासीय खेल अकादमियां खोली गई हैं। इसके अलावा, भिवानी, कुरुक्षेत्र, हिसार, अंबाला व रोहतक में नौ डे-बोर्डिंग खेल अकादमियां खोली गई हैं।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं : संदीप सिंह

खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा कि आज जिस मुकाम पर ये खिलाड़ी पहुंचे हैं उस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत ही एकमात्र रास्ता है, जिसका कोई विकल्प नहीं है। इस सफलता की सीढ़ी तक पहुंचने के लिए कम से कम 15-20 साल तक कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में इन खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदक कई युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

-संवाद ब्यूरो

ये खिलाड़ी हुए सम्मानित

नीरज चोपड़ा, रवि दहिया और बजरंग पुनिया को क्रमशः गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज जीतने के लिए 6 करोड़ रुपए, 4 करोड़ रुपए और 2.5 करोड़ रुपये के चैक वितरित किए गए। पुरुष हॉकी टीम के दो खिलाड़ियों सुमित कुमार और सुरेंद्र कुमार को भी 2.5 करोड़ रुपए के चैक दिए। प्रत्येक खिलाड़ियों को रियायती दरों पर एचएसवीपी प्लॉट दिए जाने के साथ-साथ जॉब ऑफर लेटर भी दिए गए।

इसके अलावा, सीमा रिरला, सोनम मलिक, अंशु मलिक, विनेश फोगाट, यशस्विनी सिंह देसवाल, संजीव राजपूत, मनु भाकर, अभिषेक वर्मा, सुमित नागल, दीक्षा डागर, मनीष कौशिक, अमित पंघाल, विकास कृष्ण, सीमा पुनिया, संदीप कुमार, राहुल को 15-15 लाख रुपए के चैक वितरित किए गए। प्रत्येक खिलाड़ियों को जॉब ऑफर लेटर भी दिए गए।

ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों दीपक पुनिया, उदिता, शर्मिला देवी, सविता पुनिया, रानी रामपाल, निशा, नेहा गोयल, नवनीत कौर, नवजोत कौर, मौनिका मलिक, पूजा रानी को 50-50 लाख रुपए के चैक वितरित किए गए। प्रत्येक खिलाड़ियों को जॉब ऑफर लेटर भी दिए गए।

राज्य सरकार का प्रयास है कि 2024 तक हर परिवार को रोज़गार व स्वरोज़गार के अवसर मिलें और उनसे आर्थिक संपन्नता आए। प्रदेश का नूंह जिला सबसे कमजोर है उसे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोज़गार के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है।

स्वास्थ्य विभाग ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से आरटी-पीसीआर की कीमत को फिर से संशोधित कर दिया है। राज्य में निजी प्रयोगशाला या अस्पतालों द्वारा प्रति परीक्षण अब 299 रुपए लिए जाएंगे।

टोक्यो ओलंपिक में छाया रहा

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत का प्रदर्शन श्रेष्ठ रहा। खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते हुए एक गोल्ड, दो रजत व चार कांस्य पदक हासिल किए। विश्व की सबसे बड़ी इस खेल प्रतियोगिता में हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ियों का विशेष योगदान रहा। यूं कहिए कि पूरी प्रतियोगिता में भारत की ओर से म्हारे देस हरियाणा का डंका बजता रहा। प्रतियोगिता के बाद पूरे देश में हरियाणा की खेल नीति की मुक्त कंठ से प्रशंसा हो रही है।

टोक्यो पहुंचे भारतीय दल में प्रदेश की ओर से 30 खिलाड़ियों को अवसर मिला। पानीपत के नीरज चोपड़ा ने भाला फैंक प्रतियोगिता में बेशक स्वर्ण, रवि दहिया व बजरंग पूनिया ने रजत व कांस्य पदक हासिल किए लेकिन मुख्य आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन रहा। यह बात और है कि वे मेडल हासिल करने से चूक गई लेकिन उनकी मेहनत व जज्बे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मैच समाप्त होने के बाद बात करने पर विवश होना पड़ा।

ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों की मेहनत को देखते हुए मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने न केवल खिलाड़ियों के लिए सरकारी खजाने खोल दिए बल्कि प्रदेश की आबोहवा को खेलों के प्रति और अधिक अनुकूल बनाने का भी संकल्प लिया।

उन्होंने ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर टीम में शामिल हरियाणा के दोनों खिलाड़ियों को 2.5-2.5 करोड़ रुपए का पुरस्कार दिए जाने के साथ ही सीनियर कोच (ग्रुप बी) की नौकरी दिए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही दोनों को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लाट रियायती दरों पर प्रदान किए जाएंगे।

इनके अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम में हरियाणा की नौ बेटियों को 50-50 लाख रुपए इनाम देने का ऐलान किया गया। मनोहरलाल ने कहा कि बेशक बेटियां पदक लाने से चूक गई लेकिन उनकी मेहनत को देखते हुए उन्हें न केवल इनाम दिया जाएगा बल्कि भविष्य में तैयारियों को लेकर भी कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

सीएम ने कहा कि ओलम्पिक खेलों में अब चौथे स्थान पर रहने वाले प्रदेश के प्रत्येक खिलाड़ी को 50-50 लाख रुपये की राशि दी जायेगी तथा खेलों के प्रत्येक प्रतिभागी खिलाड़ी को 15-15 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि भी दी जायेगी। टोक्यो ओलम्पिक खेलों में भाग ले रहे प्रत्येक खिलाड़ी को 5-5 लाख रुपये की राशि खेलों के शुरू

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए प्रदेश को खेलों का हब बनाया जायेगा। उन्होंने कहा देश की मात्र 2 प्रतिशत जनसंख्या होने के बावजूद ओलम्पिक खेलों में भाग लेने वाले देश के खिलाड़ियों में लगभग 25 प्रतिशत भागीदारी प्रदेश के खिलाड़ियों की है, जो गौरव का विषय है। प्रदेश की खेल नीति में ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 6 करोड़ रुपये, रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 4 करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को अढ़ाई करोड़ रुपये की राशि देने का प्रावधान किया गया है।

महिला हॉकी की 'नौ रत्न'

हरियाणा की 9 खिलाड़ियों में शाहाबाद की कप्तान रानी रामपाल, नवजोत कौर, नवनीत कौर, सोनीपत जिले से मोनिका मलिक, नेहा गोयल, निशा व हिसार से शर्मिला गोदारा, उदिता दुहन और सिरसा से सविता पुनिया शामिल रहीं।

ब्रिटेन के खिलाफ ब्रॉन्ज मेडल का मैच खेलते हुए भले ही बेटियां हार गई हों, पर प्रदर्शन जबरदस्त रहा। खिलाड़ियों का जोश खेलने से ही दिख रहा था। ब्रिटेन टीम पर पलटवार करते हुए छोरियों ने उनके पसीने छुड़ाए रखे। यह पहला अवसर था जब महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

रानी रामपाल

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान का जन्म 4 दिसंबर 1994 को हरियाणा के शाहाबाद मारकंडा में हुआ था। वह मिड-फील्डर के तौर पर टीम में खेलती हैं। 15 साल की उम्र में वह 2010 विश्व कप में भाग लेने वाली राष्ट्रीय टीम की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी थीं। रानी ने 212 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 134 गोल किए हैं। 2020 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था।

सविता पुनिया

गोलकीपर सविता अर्जुन अवार्डी हैं और सिरसा के जोधकां गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने 6 साल की उम्र में सिरसा की अयासेन एकेडमी में हॉकी खेलना शुरू किया था। इसके बाद उनका हिसार के साई सेंटर में दाखिला हो गया। फिलहाल वह साई में कोच के रूप में कार्यरत हैं और उनके पिता महेंद्र सिंह पूनिया स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत हैं।

शर्मिला गोदारा

शर्मिला हिसार के कैमरी गांव की रहने वाली हैं। वे भारतीय महिला हॉकी टीम में फॉरवर्ड स्ट्राइकर हैं। चौथी क्लास से हॉकी खेल रही हैं। इनका जन्म 10 अक्टूबर 2001 को हरियाणा में हुआ था। उन्होंने सोनीपत स्थित प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी में हॉकी के गुर सीखे। उन्होंने वर्ष 2019 में टोक्यो टेस्ट इवेंट में पदार्पण किया था। साल 2019 में यूरसए के खिलाफ पहले मैच में एक बहुत ही महत्वपूर्ण गोल किया था। पिताजी सुरेश गोदारा मध्यमवर्गीय किसान हैं।

उदिता दुहन

उदिता भिवानी के नांगल गांव की रहने वाली हैं। इनका जन्म 14 जनवरी 1998 को हिसार जिले हुआ। उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी करियर में 32 मैच खेले हैं, जिनमें चार गोल भी किए हैं। पिता जसबीर सिंह हरियाणा पुलिस में थे। पहले उदिता एक हैंडबाल खिलाड़ी थी, लेकिन बाद में उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया। उदिता टीम में एक मिड फील्डर प्लेयर हैं।

नेहा गोयल

नेहा सोनीपत से हैं, इनका जन्म 15 नवंबर 1996 को हुआ। वे भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम में मिडफील्डर के रूप में खेलती हैं। उसकी दो बड़ी बहनें हैं। बताते हैं साधारण परिवार ने उसकी बुनियादी जरूरतों जैसे जूते, हॉकी स्टिक आदि के लिए संघर्ष किया है। गोयल ने भारत के पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सिवाच द्वारा संचालित अकादमी में प्रशिक्षण लिया है।

मोनिका मलिक

मोनिका का जन्म 5 नवंबर 1993 को हरियाणा में हुआ। वह भारतीय महिला हॉकी टीम में डिफेंडर पोजिशन पर खेलती हैं। उन्होंने हॉकी कोच राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में हॉकी की बारीकियां सीखीं हैं। वह 2014 की एशियाई खेलों में भी भारतीय टीम का हिस्सा रहीं। बहरहाल वे भारतीय रेलवे में कार्यरत हैं।

नवनीत कौर

नवनीत का जन्म 26 जनवरी 1996 को शाहबाद में हुआ। वह भारतीय हॉकी टीम में फॉरवर्ड पोजिशन पर खेलती हैं। उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी करियर में 57 मैच खेले हैं, जिनमें 16 गोल किए हैं।

नवजोत कौर

नवजोत का जन्म 7 मार्च, 1995 को कुरुक्षेत्र जिले में हुआ। उनके पिता पेशे से मैकेनिक हैं और मां गृहिणी हैं। उन्होंने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की और शाहबाद में बलदेव सिंह की अकादमी में हॉकी के लिए प्रशिक्षण लिया। उन्होंने 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में प्रवेश किया।

निशा

भारतीय नेशनल हॉकी टीम में डिफेंडर पोजिशन पर खेलती हैं निशा। इनका जन्म 9 जुलाई 1995 को सोनीपत में हुआ। उनके पिता दर्जी का काम करते हैं। निशा के भारत के लिए हॉकी खेलने के सपने को पूरा करने में उनके पिता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आबकारी एवं कराधान विभाग को भविष्य में आधुनिक तकनीक से अपडेट रखा जाएगा जिससे न केवल जीएसटी से प्राप्त राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि टैक्स देने वाले लोगों को भी बेहतर सेवाएं दी जा सकेंगी।

हरियाणा सरकार प्रदेश में पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए 'संपीड़ित प्राकृतिक गैस' (कंप्रैस्ड नैचुरल गैस) के प्लांट्स लगाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रही है।

'म्हारा देस हरियाणा'

टोक्यो ओलंपिक खेलों में भाला फेंक में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने एक इतिहास रच दिया है। ट्रैक एव फील्ड इवेंट में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया है। नीरज चोपड़ा ! शाबाश, लाजवाब, बहुत-बहुत बधाई'। कांस्य पदक के लिए कुश्ती में बजरंग पूनिया ने भी अपने विरोधी पहलवान को ज्यादा अंकों के अंतर से हराकर देश एवं प्रदेश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। नीरज चोपड़ा, रवि दहिया व बजरंग पुनिया के परिवार जनों को बधाई।

दुष्यंत चौटाला, उपमुख्यमंत्री, हरियाणा

नीरज चोपड़ा द्वारा स्वर्ण पदक जीतना एक ऐतिहासिक पल

टोक्यो ओलंपिक 2020 में नीरज चोपड़ा द्वारा स्वर्ण पदक जीतना एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने करोड़ों देशवासियों का सपना साकार किया है। इसके साथ ही, कुश्ती में भारत के स्टार रेसलर बजरंग पुनिया ने कांस्य पदक जीत कर देश एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया है। दोनों ही खिलाड़ियों ने तिरंगे का मान बढ़ाया है। ये केवल एक दिन की मेहनत का नतीजा नहीं है, बल्कि इस मुकाम को हासिल करने के लिए बरसों कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

सरदार संदीप सिंह, खेल एवं युवा मामले राज्यमंत्री, हरियाणा

होने से पूर्व दी जा चुकी है, शेष 10-10 लाख रुपए की राशि खिलाड़ियों को अब दी जाएगी।

देश की पुरुष हॉकी टीम ने 41 वर्षों के बाद ओलम्पिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस टीम ने प्रदेश के दो खिलाड़ी शामिल है, जिन पर सभी को गर्व है।

नीरज चोपड़ा व अन्यों को इनाम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नीरज को छह करोड़ रुपए के नकद इनाम के अलावा राज्य की खेल नीति के अनुसार सरकारी नौकरी देने के प्रावधान के तहत पंचकूला में बनने वाले एथलेटिक्स उत्कृष्टता केंद्र में हैड लगाया जाएगा। इसके अलावा, उन्हें रियायती दरों पर एचएसवीपी का प्लॉट भी दिया जाएगा।

रवि दहिया को चार करोड़ इनाम राशि देने की घोषणा भी की गई।

टोक्यो ओलंपिक में 8-0 की ऐतिहासिक जीत और कांस्य पदक जीतने के बाद भारत को गौरवान्वित करने के लिए बजरंग पूनिया को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने ओलंपिक में फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर देश और राज्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्हें 2.5 करोड़ रुपए के नकद इनाम के साथ-साथ राज्य की खेल नीति में किए गए प्रावधान के अनुसार सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। इसके अलावा, बजरंग पुनिया को रियायती दरों पर एचएसवीपी का प्लॉट भी दिया जाएगा।

इतना ही नहीं बजरंग पूनिया के गांव खुड्डन, जिला झज्जर के युवा और नवोदित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए, राज्य सरकार द्वारा आधुनिक विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ एक कुश्ती इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए प्रदेश को खेल हब बनाया जाएगा। देश की आबादी का केवल 2 प्रतिशत होने के बावजूद ओलंपिक खेलों में लगभग 25 प्रतिशत प्रतिभागी हरियाणा की है। ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले 120 खिलाड़ियों में से 30 हरियाणा के हैं, जो हमारे लिए गर्व की बात है।

-संवाद ब्यूरो

पेरिस ओलंपिक से बढ़ी उम्मीदें

ओलंपिक में निशानेबाजी को छोड़ कर सभी ने बेहतर प्रदर्शन किया व 7 पदक अपने नाम किये। इनमें एक गोल्ड दो सिल्वर व चार कांस्य हैं। इस सफल प्रदर्शन ने खेल के उज्ज्वल भविष्य के दरवाजे खोल दिये हैं। लंदन में 6 मेडल जरूर जीते थे लेकिन कोई सुनहरा नहीं था। इससे पूर्व बीजिंग में अभिनव बिन्द्रा ने जरूर गोल्ड जीता था। रियो में मात्र दो ही मेडल जीत पाये थे। कहते हैं ज्यादा उम्मीदें होती हैं तो दबाव भी ज्यादा बढ़ जाता है। इस ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिलाड़ियों ने जोश खरोश से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कई मुकाबले ऐसे भी थे जो थोड़े अंतर से चूक गए।

ऐसा नहीं हैं की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में अनुभव की कमी थी। इस ओलंपिक में भाग लेने खिलाड़ियों ने बहुत सारी सफलताएं अर्जित की हुई थी तभी वे खेलों के इस महाकुंभ का हिस्सा बन पाये थे। ओलंपिक में सभी का यही प्रयास था कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ दें। हर खिलाड़ी स्वर्ण जीतना चाहता था। अगर हिस्से में कास्य आता है तो यह भी बड़ी बात है। खास बात यह है की अब की बार अच्छे खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस से जीत की महक पहले आने लगी थी। पदक जीतने के लिए खिलाड़ी मानसिक रूप से पूरी तैयार थे। वे एकाग्रता व निश्चिंतता के साथ अपना हुनर दिखाने में कामयाब रहे।

वर्ष 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक में पदकों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

- सुरेंद्र मलिक

मोदी ने की ओलंपिक दल से मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से भारतीय खिलाड़ियों के टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन की सराहना करने के बाद अपने आवास पर भारत के ओलिंपिक दल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कुछ खिलाड़ियों से किए अपने वादे भी पूरे किए। उन्होंने नीरज चोपड़ा को उनका पसंदीदा चूरमा खिलाया तो पीवी सिंधू को आइसक्रीम खिलाई।

जब खिलाड़ी ओलंपिक के लिए रवाना हुए थे तो मोदी ने सिंधू से वादा किया था कि जब आप भारत लौटेंगी तो आपको आइसक्रीम खिलाएंगे। वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने नीरज चोपड़ा से वादा किया था कि जब वह स्वदेश लौटेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी उन्हें चूरमा खिलाएंगे।

भारत को 41 साल बाद ओलंपिक में हाकी का पदक दिलाने वाली पुरुष हाकी टीम से भी प्रधानमंत्री ने बात की। टीम ने सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली हाकी स्टिक प्रधानमंत्री को भेंट की। प्रधानमंत्री ने कप्तान मनप्रीत सिंह से भी बातचीत की।

प्रधानमंत्री ओलंपिक से दो पदक लेकर लौटे कुश्ती दल से भी मिले। पहलवान रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता है। पहलवान विनेश फोगाट, सीमा बिसला, अंशू मलिक और कोच जगमिंदर सिंह भी इस मौके पर मौजूद रहे।

नीरज चोपड़ा यानी खरा सोना

जेवलिन थ्रो में नीरज चौपड़ा ने 87.58 मीटर दूर भाला फेंककर टोक्यो आलिंपिक में स्वर्ण पदक जीता। वे इस जीत से देश के लिए मेडल जीतने वाले पहले एथलीट बन गए है। यह उनका पहला ओलिंपिक था। वे इस ओलिंपिक में नायक बनकर उभरे है। उनकी इस जीत ने टोक्यो ओलंपिक को भारतीय इतिहास का सबसे सफल ओलंपिक बना दिया। गौरतलब है की नीरज चौपड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 6 बड़े टूर्नामेंट में मेडल जीत चुके हैं। वे 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स, गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स, 2017 में एशियन चैंपियनशिप, 2016 में साउथ एशियन गेम्स, 2016 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। जबकि 2016 में जूनियर एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

रवि दहिया की चांदी

रवि दहिया ने कुश्ती के 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी में भारत को सिल्वर मेडल दिलाया। वे फाइनल में रूसी पहलवान युगुऐव से हार गए। रवि 2019 में नूर सुल्तान में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने एशियन चैंपियनशिप में दो गोल्ड मेडल भी अपने नाम किए हैं। उन्होंने 2015 में वर्ल्ड जूनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर जीता था।

बजरंग पूनिया

बजरंग पूनिया को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद ब्रॉन्ज मेडल मैच में उन्होंने कजाकिस्तान के पहलवान को हराया। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में कजाकिस्तान के दौलत नियाजबेकोव को 8-0 से हराया। बजरंग वर्ल्ड अंडर-23 चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप और वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुके हैं। उन्हें पद्मश्री, अर्जुन पुरस्कार और खेल रत्न से सम्मानित किया जा चुका है। बजरंग ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मेडल 2013 में 60 किलोग्राम कैटेगरी में जीता था। वे एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भी 7 मेडल जीत चुके हैं।

महिला पहलवान चूक गईं

फ्री स्टाइल महिला कुश्ती की बात करें तो 53 किलोग्राम में विनेश फोगाट परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं हो पाया व उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहलवान सोनम मलिक, अंशु मलिक व सीमा बिस्ला का प्रदर्शन मन के मुताबिक नहीं हो पाया। ऐसा लगता था शायद रणनीति में कहीं चूक रह गई थी। इससे पहले भी कुश्ती में केडी जाधव, सुशील कुमार, साक्षी मलिक व योगेश्वर दत्त पदक जीत चुके हैं। 86 वर्ग में दीपक पूनिया को हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका के पहलवान से व हार गये।

मुक्केबाजी में निराशा

मुक्केबाजी में हार से निराशा हाथ लगी। पूजा रानी के पंचों का जवाब नहीं था लेकिन वे हार को जीत में बदलने से चूक गई। मुक्केबाज अमित पंघाल से पदक की उम्मीद थी लेकिन निराशा हाथ लगी। शूटिंग में कई खिलाड़ी शुरूआती मुकाबलों में ही प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गए।

पुरुष हॉकी टीम का जलवा

पुरूष हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए 41 साल के सूखे को समाप्त कर दिया। उनको कांस्य मेडल से संतोष करना पड़ा। पुरूष हाकी टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराया। आंकड़े बताते हैं की ओलिंपिक में भारत की हॉकी टीम को आखिरी पदक 1980 में मॉस्को में मिला था। भारत ने ओलिंपिक में सबसे ज्यादा पदक पुरुष हॉकी में जीते हैं।

क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम प्रणाली में शत-प्रतिशत अंकों के साथ देशभर में हरियाणा ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इस प्रणाली को अपराध पर रोक लगाने के लिए लागू किया गया था।

जैव विविधता के सतत उपयोग के लिए विभागों के समन्वय से मार्च 2022 तक विस्तृत कार्य-योजना तैयार की जाएगी। परिमंडल स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए 4 'जीव विविधता सम्मेलन' आयोजित किए जाएंगे।

उचित दाम युवाओं को काम

मनोज प्रभाकर

युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार ने प्रदेश में 2000 'हर हित स्टोर' खोलने की योजना को मूर्तरूप देना शुरू कर दिया है। इन स्टोर के माध्यम से सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले दैनिक जरूरतों के उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा और ग्राहकों तक उचित मूल्य पर पहुंच होगी। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने पंचकूला में एक स्टोर का शुभारम्भ कर योजना का श्रीगणेश किया। यह स्टोर हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है।

योजना के तहत इन स्टोरों के लिए इच्छुक लोग आवश्यक नियमों और शर्तों का विधिवत पालन करने के बाद आवेदन कर सकते हैं। नीति के अनुसार, 18-35 आयु वर्ग के लोगों, महिलाओं, विशेष विकलांग व्यक्तियों और मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना के तहत सत्यापित लोगों को वरीयता दी जाएगी। नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 1500 स्टोर खोले जाएंगे। योजना का पोर्टल harhith.com लॉन्च किया गया है। इच्छुक लोग उक्त पोर्टल पर स्टोर के लिए आवेदन कर सकते हैं। आने वाले दो महीनों में पहले 100 स्टोर को खोलने का लक्ष्य रखा गया है। आवेदक आर्थिक रूप से कमजोर है तो राज्य सरकार बिना गारंटी के प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण सुविधा प्रदान करने में सहायता करेगी।

एचएआईमीएल ने 51 बड़े कॉरपोरेट घरानों के साथ टर्म ऑफ ट्रेड किया गया है, जो इन स्टोर में अपने गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न ब्राण्डों के गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित उत्पाद स्टोर में उपलब्ध कराये जाएंगे। सभी बिक्री पॉइंट ऑफ सेल सिस्टम के माध्यम से की जाएगी। प्रथम चरण में 2,000 स्टोर खोलने की योजना है, दूसरे चरण में ऐसे 5,000 स्टोर स्थापित किए जाएंगे। हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड 3,000 या अधिक आबादी वाले गांव में 200 वर्ग फुट पर एक रिटेल आउटलेट आवंटित करेगा। नगरपालिका समिति, परिषद में ऐसे वार्ड, समूह जिनकी संचयी जनसंख्या 10,000 हो, वहां पर एक एक रिटेल आउटलेट आवंटित करेगा।

प्रदेश को बेरोजगार मुक्त-रोजगार युक्त बनाना लक्ष्यः सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 18 से 35 आयु वर्ग में कोई भी युवा बेरोजगार न रहे, इस उद्देश्य के साथ ही प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2024 तक हरियाणा को बेरोजगार मुक्त-रोजगार युक्त बनाना है। इसलिए युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह स्टोर केवल एक जरूरत नहीं है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लाडो की बगिया

हरियाली तीज के अवसर पर झज्जर जिला के गांव खानपुर खुर्द में 5 एकड़ भूमि पर 'लाडो की बगिया' ऑक्सीवन का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर करीब 500 बेटियों ने 500 पौधे लगाए हैं, जिनकी देखभाल करने का कार्य भी वे स्वयं करेंगी।

राज्य में इस समय करीब 7 प्रतिशत क्षेत्र पर पेड़ लगे हैं। राज्य सरकार की ओर से इनको बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मानसून सीजन के दौरान राज्य में 3 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। पेड़ों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 75 वर्ष से अधिक आयु के पेड़ों की पैंशन का प्रावधान किया है, इनकी देखभाल करने वालों को सरकार द्वारा 2500 रुपए प्रतिवर्ष देने की व्यवस्था की है।

कुरूक्षेत्र की 48 कोस की परिक्रमा मार्ग पर 134 गांवों आते हैं, जिस पर पंचवटी अर्थात पांच प्रकार के पेड़ लगाए जाएंगे। इनका संरक्षण एवं देखभाल वनमित्रों को सौंपा गया है। सरकार ने पौधों की उपलब्धता संबंधी जानकारी के लिए 'हरियाणा वन प्रबन्धन सूचना प्रणाली ऐप' बनाया है। इस पर विभिन्न प्रकार के पौधों के मिलने के स्थानों की जानकारी प्राप्त होगी।

राज्य में 60 हर्बल पार्क बनाए गए हैं। मोरनी के पर्वतीय क्षेत्र में करीब 5000 एकड़ भूमि पर औषधीय वन विकसित किया जा रहा है। गुरूग्राम व रेवाड़ी में फूलों की खेती की जा रही है तथा मुरथल में 116 एकड़ व यमुनानगर में 11 एकड़ भूमि पर फूलों की पैदावार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ हमारे 'प्राण वायु देवता' हैं । पंचकूला और करनाल की धरती से शुरू किए गए ऑक्सीवन की संकल्पना को अब पूरे प्रदेश में अपनाया जा रहा है। इसमें विद्यार्थी, नौजवान, स्वयं सेवी संस्थाएं तथा सामाजिक संस्थाएं बढचढ़ कर भाग ले रही हैं।

-संवाद ब्यूरो

लैंड बैंक बनाने की नीति

भूमि स्वामियों को अपनी भूमि की मजबूरन बिक्री करने का सहारा लेने से रोकने और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं की स्थापना के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि उपलब्ध करवाने के दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हरियाणा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने लैंड बैंक बनाने की नीति को अधिसूचित किया है।

नीति के अनुसार, राजस्व विभाग भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 (1894 का केंद्रीय अधिनियम 1) के तहत विभागों द्वारा अधिग्रहित की गई अधिशेष भूमि के ऐसे हिस्सों को समेकित करेगा, जिसकी उन्हें अभी आवश्यकता नहीं है और ऐसी भूमि को उन विभागों को प्रदान करें जिनकी उन्हें आवश्यकता है। इससे राज्य सरकार के लिए भी काम आसान हो जाएगा जिसे विभागों को भूमि उपलब्ध करवाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वित्तायुक्त राजस्व तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि यह देखा गया है कि कभी-कभी भूमि स्वामियों, विशेष रूप से विदेशों में रहने वाले लोगों को बाजार में मंदी या महामारी, बाजार में बिचौलियों के दबाव या विभिन्न कारणों से अपनी भूमि की बिक्री मजबूरन करनी पड़ती है। लैंड बैंक विभागों, भूमि मालिकों/किसानों और राज्य सरकार के लिए फायदे की स्थिति की पेशकश करेगा। जहां किसान प्रतिस्पर्धी मूल्य पर भूमि बेचने में सक्षम होगा, वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार को भी उस समय परेशानी नहीं होगी जब कोई विभाग सार्वजनिक उपयोगिताओं की स्थापना के लिए भूमि हेतु उसके दरवाजे पर दस्तक देगा।

आवश्यक सेवाओं के लिए भूमि

बैंक विभागों को आवश्यक सेवाओं, जिसमें जलघर, बिजली सब-स्टेशन, कॉलेज और विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं पॉलिटेक्निक आदि उच्चतर शिक्षा के अन्य विशिष्ट संस्थान शामिल हैं, की स्थापना के लिए भूमि प्रदान करेगा।

बैंक की स्थापना विकास परियोजनाओं के लिए सरकार को स्वेच्छा से दी जाने वाली भूमि की खरीद, बोर्डों एवं निगमों सहित सरकारी विभागों के लिए भूमि बैंक सृजित करने की नीति के तहत की जाएगी।

-संवाद ब्यूरो

कुरुक्षेत्र में लगभग 95 एकड़ भूमि पर बनाए जा रहे श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस विश्वविद्यालय पर राज्य सरकार द्वारा 1,000 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा रही है।

330 गौशालाओं में 9.19 करोड़ की लागत से 1613 किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट लगाए गए। राज्य के लोगों को सस्ते एलईडी बल्ब, सोलर लाईट्स तथा सब्सिडी पर ए.सी. उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

विद्या ददाति विनयम् ततः सुखम्

नई शिक्षा नीति से बदलेगी शिक्षा जगत की तस्वीर

हरियाणा अब शिक्षा के क्षेत्र में प्राचीन तक्षशिला का आधुनिक स्वरूप बनता जा रहा है। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का वर्ष 2025 तक सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में औपचारिक रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में इस नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रदेश में ड्रॉप आउट रेट कम करके प्रत्येक बच्चे को स्कूल तक लाया जाएगा, ताकि शिशु अवस्था से ही उसके सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के समय लार्ड मैकाले की वह शिक्षा पद्धति 'तीन आर' - राइटिंग, रीडिंग और अरिथमेटिक पर केंद्रित थी, जो एक नागरिक का संपूर्ण विकास करने वाली नहीं थी। आज 21वीं सदी में आजादी के 75 साल के बाद देश को एक ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जिससे युवा पीढ़ी शिक्षित तो बने ही उसके साथ ही उसमें राष्ट्रीयता की भावना भी पैदा हो। इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि हरियाणा जिस प्रकार खेलों में निपुण है, उसी प्रकार शिक्षा में भी हरियाणा अग्रणी हो। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके छात्रों को ज्ञान, कौशल और मूल्यों के साथ सशक्त बनाने के उद्देश्य से हरियाणा में नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए आधारभूत ढांचा पहले ही तैयार किया गया। इसके बलबूते इस शिक्षा नीति को वर्ष 2025 तक पूरी तरह लागू की जाएगी। हालांकि इसको लागू करने की समयावधि 2030 तक है, लेकिन हरियाणा इस लक्ष्य को पांच वर्ष पहले ही हासिल कर लेगा।

मुख्यमंत्री ने हर वर्ष 29 जुलाई को नई शिक्षा नीति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। इस दिन शिक्षा नीति के लक्ष्य व उद्देश्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

कौशल विकास

सरकार ने स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक की शिक्षा को कौशल के साथ जोड़ा है। स्कूलों में एन.एस.क्यू.एफ, कॉलेजों में 'पहल योजना', विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर और तकनीकी संस्थानों में उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण के लिए उद्योगों के साथ एम.ओ.यू. जैसे कारगर कदम उठाये गये हैं।

कौशल विकास के लिए हरियाणा सरकार ने एक अलग विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय खोला है। इस विश्वविद्यालय ने उद्योगों के साथ सुदृढ़ संबंध बनाए हैं और 94 एम.ओ.यू. किये हैं। इस विश्वविद्यालय में 34 डिप्लोमा, स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। लघु अवधि व नियमित पाठ्यक्रमों के माध्यम से 4,755 छात्र प्रशिक्षित किये गये हैं। बदलते माहौल के अनुसार इस विश्वविद्यालय द्वारा कई नए कोर्सिज की पहचान की गई है। इनमें 71,000 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है।

पासपोर्ट सहायता योजना

भारत से बाहर के विश्वविद्यालयों तथा विदेश में रोजगार के अवसरों से अवगत कराने हेतु महाविद्यालयों में एक नई महत्वाकांक्षी योजना पासपोर्ट सहायता शुरू की गई है, जिसके तहत अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के पासपोर्ट निःशुल्क बनाए जा रहे हैं। राजकीय विद्यालयों के होनहार विद्यार्थियों के लिए सुपर -100 कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित 25 युवाओं ने इस साल जे.ई.ई. परीक्षा में मैरिट में स्थान पाया है और उन्हें आई.आई.टी. में प्रवेश मिला है। इसी प्रकार, 72 युवाओं ने नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है और उन्हें अच्छे मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिला है। इसी दिशा में हमने 50 हजार मेधावी विद्यार्थियों को ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से कोचिंग देने के लिए एम -3 एम फाउंडेशन के साथ भी एम.ओ.यू. किया है।

भारतीयता का बोध कराएगी नई शिक्षा नीति

भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुकुल कानितकर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वाभिमानी और स्वावलंबी बनाना है। इसके लिए शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं में शिक्षा पर पूर्ण जोर दिया गया है जिसका क्रियान्वयन करना शैक्षिक नेतृत्व की जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति में युवाओं को संस्कारवान बनाने के साथ-साथ उन्हें भारतीयता का बोध करवाने वाली है। विद्यार्थी जब तक स्वाभिमानी और स्वावलंबी नहीं होगा, तब तक वह आत्मनिर्भर नहीं बन सकता और भारत का पुनः विश्व गुरु बनने का सपना साकार नहीं हो सकता। इसलिए युवाओं को स्वाभिमान और स्वावलंबी तथा भारतीय बोध का ज्ञान देकर उन्हें शिक्षित करना इस शिक्षा नीति का मुख्य व संपूर्ण उद्देश्य है।

-संगीता शर्मा

थ्योरी की बजाय प्रैक्टिकल पर जोर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने का विजन देशवासियों के सामने रखा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस विजन को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस शिक्षा नीति में पूरे सिस्टम में आमूल-चूल परिवर्तन की अवधारणा की गई है। इसके तहत थ्योरी की बजाय प्रैक्टिकल पर जोर दिया गया है। इससे शिक्षा को व्यावहारिक और रोजगारोन्मुखी बनाया जा सकेगा तथा देश का युवा स्वावलंबी व स्वाभिमानी बनेगा।

कंवरपाल, शिक्षा मंत्री, हरियाणा

नई शिक्षा नीति के लिए किये गये प्रयास

- नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रदेश में 4,000 प्ले वे स्कूल खोले जा रहे हैं ताकि नई शिक्षा नीति में निहित तीन साल की आयु से बच्चे की शिक्षा आरंभ की जा सके। अब तक 1,135 स्कूल खोले जा चुके हैं।
- निजी स्कूलों की तर्ज पर सुविधाएं और अंग्रेजी में शिक्षा देने के लिए 113 नये संस्कृति मॉडल स्कूल खोले हैं, जिससे इनकी संख्या बढ़कर 137 हो गई है।
- 1,418 विद्यालय इंग्लिश मीडियम बैग फ्री स्कूल बनाये जा रहे हैं।
- नई शिक्षा नीति का एक लक्ष्य वर्ष 2030 तक उच्चतर शिक्षा में लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत से अधिक करना है।
- प्रदेश में ऐसे शिक्षण संस्थान तैयार किये जा रहे हैं, जिनमें नन्हे बच्चे की केजी कक्षा से युवा विद्यार्थी की पीजी कक्षा तक की शिक्षा प्रदान की जाएगी। प्रारंभ में ऐसे चार विश्वविद्यालयों में यह व्यवस्था करने जा रहे हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने तो इसी सत्र अर्थात 2021-22 से केजी से पीजी स्कीम के तहत दाखिलों की तैयारी शुरू कर दी है।

किसान अब ज़मीन बेचने के लिए सरकार को संभावित खरीददार के रूप में अपना प्रस्ताव दे सकता है। इसके लिए विभागों, बोर्डों एवं निगमों के लिए भूमि बैंक सृजित करने और उनके संचालन के लिए एक नीति तैयार की गई है।

सरकार ने सस्ते मकानों का निर्माण, न्यूनतम वेतन वृद्धि, मेरिट आधार पर नौकरी, विभागों में ऑनलाइन तबादला प्रक्रिया, बच्चों के टेली-कांउसलिंग हेतु 'उम्मीद केंद्र' खोलने और ऑक्सी-वन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

रोहतक के गांव कलावड़ में मनाई गई हरियाली तीज

सुण छबीले बोल रंगीले

छबीला और रंगीला दोनूं अपनी पोली में हुक्के पर बैठे बतळावैं थे।

-रंगीले, मेरै एक बात कोनी समझ में आती। जिब बी पंद्रह अगस्त आवै सै, ये भाषण देण आले नेता न्यू जरुर कहैं सैं अक उन शहीदां की वजह तै आज हाम खुले में सांस लेण लागरे सैं। मैं न्यू पूछूं सूं अक घुटण में सांस किसकी वजह तै लेवैं थे?

-भाई रंगीले हाम उस बख्त अंग्रेजां के गुलाम थे। अंग्रेज म्हारे पै जुल्म ढाया करते।

-जुल्म के वे म्हारा टिटवा दबाया करते?

-बात यो नहीं सै। अंग्रेजां का राज था और वे म्हारे पै तरहां-तरहां के टैक्स लाया करते। हाम जो भी कमाते वे गूच ले जाते। उल्टा बोलते तो जेल में डाल देते। और घणा उल्टा बोलते तो 'काले पानी' भेज देते। उनकी चालै थी। उननै हाम गुलाम बणा राखे थे।

-भाई बात समझ में कोन्या आई। उनकी क्यूकर हिम्मत होगी अक सात समंदर पार तै आकै हामनै गुलाम बणाकै राखैं? म्हारे मं कोए कमी रही होगी?

-भाई छबीले, अंग्रेज बोहत ताकतवर थे। उनकी सेना थी, अस्त्र शस्त्र थे। और बी बहुत तरियां त वे ठाडे थे।

-ना भाई रंगीले, बात कुछ और भी पावैगी। अंग्रेजां की बात छोड़, पुर्तगाली भी हामनै गुलाम बणागे। और तो और छोटी सी कौम हुण भी हामनै गुलाम बणागी। उन धौरै भी लांबी चौड़ी सेना थी के? मनैं लागै सै कमी म्हारे में थी। ना तो इसा के होया अक जो कोए आड़ै आया म्हारे पै राज करण लागग्या। म्हारे देस में विद्वान थे, चिंतक थे, धर्मग्रंथ थे, चाणक्य जिसे लोग थे और जोशीले छोरे भी थे। फेर बी गुलाम, क्यूं? दूर क्यूं जा सै, न्यू बता तूं मनैं गुलाम क्यूकर बणा सकै सै? मैं तेरी इसी-तिसी नहीं कर द्यूंगा।

-भाई छबीले ताता मत होवै। जै मैं तेरे तै घणा पढ्या लिखा हों, मैरे धौरै गाड्डी-घोड़े हों, अस्त्र शस्त्र हों, पिस्सां की कोई कमी ना हो। चौगरदे नै गाभरू खड़े हों। खूब सारी जमीन-जायदाद हो। और तनै दो बखत की रोटी भी टैम पै ना मिलती हों, तो तूं मेरी खाट पै बैठण की हिम्मत कर पावैगा? आपणी गर्ज में तूं धरती पै बैठैगा और मदद मांगैगा। ऊंचा बोलैगा तो छोरे पिटाई कर देंगे। तो बस कुछ ईसा ए टैम था वो। हाम हर तरियां तें मजबूत नहीं थे। जिसकी वजह तै म्हारे देस में विदेशी राज करगे। न्यू बी कहै सकैं सैं अक उन धौरै विज्ञानिक सोच और तौर तरीके थे, म्हारे धौरै उस चीज की कमी थी।

-हां भाई म्हारे देस में तो संत-महात्मा घणे होया करते। तो ईब म्हारे धौरै सब कुछ सै, क्याएं की कमी कोन्या?

-हां छबीले, ईब म्हारा देस हर तरियां तै मजबूत सै। मजबूत नहीं, घणा मजबूत सै। म्हारे देस नै विज्ञानिक सोच विकसित करी सै, जिसका नतीजा यू सै अक म्हारे देस के छोरे और छोरी अमेरिका, इंगलैंड, आस्ट्रेलिया जिसे देसां में बड्डी-बड्डी पोस्टां पै काम करैं सैं। आज किसे पड़ौसी देस की इतणी हिम्मत कोन्या अक भारत तैं आंख टेढ़ी करकै बात करै। पहल्यां म्हारे देस में सारा सामान बाहर तैं आया करता। आज भारत दूसरे देसां ताहीं अनाज, दवाई और बेरा ना के-के पहुंचाण लागर्या सै। पाछले पांच-सात साल में तै पूरी दुनिया में भारत का डंका बाजया सै। बड़े- बड़े देस भारत की मदद चाहवैं सैं।

-हां रंगीले, एक बात और। केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति आई सै। सुणन में आवै सै अक यो शिक्षा नीति पूरी तरियां विज्ञानिक सोच पै आधारित सै। इस नीति तै छोरे और छोरियां नै आगै बढ़ण के और मौके मिलैंगे। हरियाणा सरकार नै तो यो शिक्षा नीति आपणे प्रदेश में सबतैं पहल्यां लागू भी कर दी सै। हर परिवार आत्मनिर्भर होगा तो कोए दूसरा उसनै गुलाम नहीं बणा सकैगा।

- आई कुछ बात निगाह में?

-हां, भाई रंगीले, सौ का तोड़ यो सै अक आदमी नै ठाली नहीं रहणा चाहिए। कुछ न कुछ काम करते रहणा चाहिए। असली आजादी का मजा जिबै सै।

-और सुण, घर-कुणबे और अड़ौसी-पड़ौसी तै बणाकै राखणा और सबका ख्याल राखणा बी जरुरी सै। वरना एकले की आजादी का कोए स्वादा ना सै।

-आच्छा दादा, राम-राम।

-मनोज प्रभाकर

आपणी पहेलियां ज्ञान की कटोरियां

किसी भी प्रदेश का लोक साहित्य उस प्रदेश की पारंपरिक ज्ञान का अमूल्य भंडार होता है। पहेलियां, लोकोक्तियां और कहावतें लोक साहित्य का अभिन्न अंग होती हैं। हरियाणा के ग्राम्य परिवेश में आज भी अनेक पहेलियां प्रचलित हैं। गांवों में पहेली विशेषज्ञ होते थे। लोगों में भी नित नई पहेलियां जानने-सुनने की उत्कंठा बनी रहती थीं। आजादी के काफी बाद तक गली-मोहल्ले की टोलियों में पहेली बूझने की प्रथा थी। शादी-ब्याह में बुद्धि परीक्षा के लिए दूल्हे से छन (छंद) पूछे जाते थे।

पहेली शब्द की व्युत्पत्ति 'प्रहेलिका' शब्द से हुई है। इसका अर्थ है-विषम अवस्था या उलझन। पहेली को संस्कृत में 'ब्रह्मोदय', भोजपुरी में 'बुझौवल', राजस्थानी में ' फाली', मेवाती में 'बताणी बात' या ' फाली आडना' कहते हैं। 'हरियाणवी में इसे ' फाली आडना' (फल बतलाना) अथवा गाहा खोलना, गाथा का रहस्य बतलाना कहते हैं। हरियाणा में प्रचलित ब्याह-शादी के अवसरों पर बोले जाने वाले सीठणे छन और साहित्य संसार में प्रचलित 'दृष्टिकूट' और 'मुकरियां' आदि पहेलिका-परिवार के ही अंग-उपंग हैं। लोक साहित्य में पहेलियों को सात भागों में विभाजित किया गया है। खेती संबंधी, भोजन, घरेलू वस्तु, प्राणी, प्रकृति, अंग-प्रत्यंग और पौराणिक कथा संबंधी।

आप कंवारा बाप कंवारा और कंवारी महतारी।
पुत्र पिता नै गोद खिला रह्या देखो न वेदाचारी।।

इस पहेली में मकरध्वज और हनुमान की गाथा कही गई है। श्लेष का अनूठा प्रयोग उक्त पहेली में देखने को मिलता है।

दिल्ली बोई बेल, मंगर पै नाल गए।
हथनापुर फूले फूल, पटालै पान गए।।

इस पहेली में दिल्ली में बोई गइ एक बेल का वर्णन है, जिसके नाल (तने) आदि मुंगेर तक गए हैं। हस्तिनापुर में उस पर फूल लगे हैं और पटियाला तक पत्ते गए हैं। इस अलौकिक बेल का वर्णन श्रोता को आश्चर्यचकित कर देता है। इस पहेली का उत्तर गांवों में स्त्रियों द्वारा धारण की जाने वाली 'आंगी' है। यहां दिल्ली (दिल, वक्षस्थल) मंगर (पीठ) हथनापुर (हाथ, भुजमूल), पटालै (पटियाला, पेट) श्लिष्ट शब्द हैं। आंगी वक्ष से चलती है और कमर तक उसकी तणियां बंध जाती हैं जो बेल के तने के समान होती हैं। भुजमूल पर फूला हुआ भाग हस्तिनापुर के फूल और पेट पर पटियाला पर पान के सदृश खुला कपड़ा रहता है। एक विशेष पहेली देखने योग्य है-

दो भाई एक से,काम करे कड्डा।
एक रहा हांडा फेरी में,एक रहा बेड्डा।।

यहां एक भाई काम करत हुए बैठा रहता है और दूसरा घूमता रहता है। इस पहेली का उत्तर है-चाकी।

हरियाणा में यह पहेली बहुत प्रसिद्ध है-

काक्काजी हमने कुक्कू दे या, कहो भतीजा कैठे दे।
बिना चोंच के चुगते दे या, बिना परों के उड़ता दे।।

यहां कुक्कू लोकमेधा से निकला एक काल्पनिक शब्द। अर्थ है-किसान के कुएं पर का 'चाक'।

हरियाणवी में कृषि संबंधी पहेलियां भी खूब मिलती हैं।

हरी थी मन भरी थी, नौ लाख मोती जड़ी थी।
राजाजी के महल में, दुसाला ओढे खड़ी थी।।

इस पहेली में 'मकई' की कूकड़ी का मुंहबोला वर्णन किया गया है। जब मैं हरी थी बड़ी मनोहर थी। नौ लाख मोती अर्थात् पीले-पीले दाने मेरे शरीर में जड़े हुए थे और किसान के महल (खेत) में दुशाला (भुट्टे के पत्ते) ओढ़े खड़ी थी।

अन्य पहेली देखिए-

खान-पान संबंधी पहेलियां

गोल गोल चैंतरा,पोरी पौरी रस।
पता तो बता नहीं, रुपये दे दे दस।।

उत्तर-जलेबी

'पतंग' का वर्णन भी एक पहेली में हुआ है-

एक कहानी मैं सुनाऊं, सुन लो मेरे पूत।
बिना परों के उड़ गई, बांध गले में सूत।।

'साइकिल' का वर्णन भी एक पहेली में हुआ है।

घोड़ा है पर घास नहीं खाता।
खड़ा करें तो डिग-डिग जाता।।

शिक्षा संबंधी पहेली भी लोक साहित्य में मिलती हैं।

धोली धरती, काला बीज।
बोअण आला गावै गीत।।

धोली धरती (कागज), काला बीज (अक्षर) बोअण आला(लिखने वाला) का वर्णन हुआ है।

शरीर संबंधी एक पहेली-

गरमी में वो पैदा होवै, धूप पड़े लहरावै।
हे सजनी वो इतना कोमल, हवा लगै कुम्हलावै।।

उत्तर-पसीना

पहेलियों का हरियाणवी लोक साहित्य में महत्त्वपूर्ण स्थान है। पहेलियां ज्ञान रस से भरी कटोरियां होती हैं, जिनका रस पीकर पाठक और श्रोता मदमस्त हो जाते हैं। पहेलियों की भाषा शैली ठेठ और ग्रामीण जीवन से ओत-प्रोत होती है।

-सुरेंद्र बांसल

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com